EDU Journal of International Affairs and Research (EJIAR), ISSN: 2583-9993
Volume 3, Issue 2, April-June, 2024, Available at: https://edupublications.com/index.php/ejiar

मिर्ज़ापुर जिले के ग्रामीण परिवारों के बीच मोबाइल फ़ोन के उपयोग के कारण परिवार और सामाजिक संबंधों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन

किरन सिंह[1], डॉ. माधवी पांडे[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल
[2]सहायक प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल

सार

मोबाइल फोन का इस्तेमाल दिनदिन बढ़ता जा रहा है।-ब-आज मोबाइल फोन जीवन की जरूरत बन गया है।लेकिन इसके सभी लाभों के बावजूद मोबाइल फोन के उपयोग का हमारे समाज पर कुछ नकारात्मक और विनाशकारी प्रभाव भी पड़ता है। इस शोध का उदेश्य मिर्ज़ापुर जिले के ग्रामीण परिवारों के बीच मोबाइल फ़ोन के उपयोग के कारण परिवार और सामाजिक संबंधों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना था. यह अध्ययन के नमूने के रूप में कुल 600 उत्तरदाताओं को चयनित किया गया है।परिदर्श एकत्र करने हेतु प्राथमिक आंकड़े संरचित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किए गए।

मोबाइल सेटनेटवर्क और बातचीत पर अधिक खर्च/, पारिवारिक और सामाजिक जीवन में अशांति के साथसाथ फोन के लगातार इस्तेमाल से काम और पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव से संबंधित - थे।उत्तरदाताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य में समस्या के लक्षण होने की भी सूचना दी।

परिचय

मोबाइल फोन का इस्तेमाल दिनब-दिन बढ़ता जा रहा है।-आज मोबाइल फोन जीवन की जरूरत बन गया है।लेकिन इसके सभी लाभों के बावजूद मोबाइल फोन के उपयोग का हमारे समाज पर कुछ नकारात्मक और विनाशकारी प्रभाव भी पड़ता है।कई वैज्ञानिकों का मानना है कि मोबाइल फोन से निकलने वाले विकिरण से उपयोगकर्ताओं को सिरदर्द, कान में दर्द, दृष्टि का धुंधलापन और यहां तक कि कैंसर जैसे विभिन्न लक्षण हो सकते हैं।मोबाइल फ़ोन के नकारात्मक प्रभावों में से कुछ में साइबर बुलिंग, बातचीत बदलने की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जीवन में घुसपैठ शामिल हैं। साथ ही अन्य समस्याएं जैसे अंग्रेजी-अंक संबधी तकनीकी-बाधाएं, तुलनात्मक रूप से कठिन पठनीयता, मोबाइल फ़ोन अपनाने की प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है। इसका अनावश्यक उपयोग कभी-कभी नशे का रूप ले लेता हैं। मोबाइल के आदी लोग, अनावश्यक बातचीत में, मोबाइल गेम में, वीडियो अथवामैसेजिंग पर अपने कीमती समय का बड़ा हिस्सा व्यर्थ कर देते हैं। यहां तक की

वे यदि फोन नहीं उठा पाते तो परेशान हो जाते हैं और अलगाव व अकेलापन महसूस करते हैं।इस अध्ययन द्वारा ग्रामीण परिवारों के मोबाइल फोन के उपयोग को समझा जाएगा और यह पता लगाया जा सकेगा की उन पर इसके क्या क्या नकारात्मक प्रभाव पड़ते है.

शोध के उद्देश्य

मिर्ज़ापुर जिले के ग्रामीण परिवारों के बीच मोबाइल फ़ोन के उपयोग के कारण परिवार और सामाजिक संबंधों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना

शोध पद्धति

इस शोध में बहुस्तरीय निर्देशात्मक प्रतिचयन तकनीक को अपनाया गया है. प्रत्येक गांव से, 100 किशोर (50 पुरुष और 50 महिला), 100 युवा वयस्क (50 पुरुष और 50 महिला) और 100 मध्यम उम्र (50 पुरुष और 50 महिला) उत्तरदाताओं का चयन किया गया। इस प्रकार, यह अध्ययन के नमूने के रूप में कुल 600 उत्तरदाताओं को चयनित किया गया है।परिदर्श एकत्र करने हेतु प्राथमिक आंकड़े संरचित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किए गए।शोधकर्ता द्वारा विकसित अर्ध संरचित प्रश्नावली का उपयोग करके सर्वेक्षण के माध्यम से अध्ययन के लिये आंकड़े एकत्र किया गये।

परिणाम एवं परिचर्चा

उत्तरदाताओं से मोबाइल फोन के उन नकारात्मक प्रभावों को लिखने के लिए कहा गया जिनका उन्होंने अनुभव किया है।उत्तरदाताओं द्वारा बताए गए मोबाइल फोन के उपयोग के कुछ नकारात्मक प्रभाव निम्नलिखित हैं-

सारणी 1: मोबाइल फ़ोन के नकारात्मक प्रभावों पर प्रतिक्रियाओं का आवृति बंटन (प्रतिशत कोष्टक में)

एन =600			
क्र. सं.	नकारात्मक प्रभाव	आवृति एवं (%)	
1.	खर्च में बढौतरी	324	54%
2.	खर्चों में समझौता करना	318	53%
3.	सामाजिक गतिविधियों में नहीं जा पाना	294	49%
4.	परिवार के सदस्यों और मित्रों से मतभेद	270	45%
5.	काम को ठीक से नहीं कर पाना	252	42%
6.	समय और पैसों की बर्बादी	246	41%
7.	लोगों से झूठ बोलने कि आदत	240	40%

8.	स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव	234	39%
9.	परिवार के लिए समय नहीं निकाल पाना	228	38%
10.	परिवार के सदस्यों में बढ़ती दूरियाँ	222	37%
11.	बेकार की बातों पर समय बर्बाद करना	216	36%
12.	अन्य लोगों के साथ बातचीत में कमी	198	33%
13.	काम करते समय एकाग्रता में कमी	168	28%

व्याख्या

- दूरसंचार क्षेत्र में विकास और मोबाइल उपयोग के प्रगतिशील पैटर्न ने लोगों को उनके व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में कुछ प्रमुख मुद्दों का सामना करना पड़ा है। 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मोबाइल फोन पर बढ़ते खर्च को नकारात्मक पहलू बताया और उनमें से अधिकांश ने बताया कि उन्हें अपने मोबाइल फोन के खर्चों को पूरा करनेे के लिए अन्य खर्चों से समझौता करना पड़ता है।कुछ उत्तरदाताओं ने लिखा कि कई बार वे पैसे बचाने के लिए दूसरों का फोन इस्तेमाल करते हैं या सिर्फ मिस्ड कॉलएसएमएस देते हैं।/
- उत्तरदाताओं ने बताया कि लगातार फोन कॉल)42के कारण वे ठीक से काम नहीं (% कर पाते हैं और एकाग्रता की कमी के कारण काम करते समय कठिनाई का सामना करना पड़ता है।
- समय और धन की बर्बादी को एक नकारात्मक प्रभाव के रूप में बताया गया क्योंकि लोग बेकार विषयों पर चर्चा करने में बहुत समय बर्बाद करते हैं।
- बढ़ती चिंता, नींद की कमी, दुर्घटनाएं, सुनने की हानि और सुसंगत सोच में असमर्थता को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से जुड़े कुछ स्वास्थ्य खतरों के रूप में बताया गया है।
- सर्वेक्षण के दौरान यह देखा गया है कि लगभग उनतालीस प्रतिशत लोगों ने कई सामाजिक गतिविधियों और लोगों से मिलने जुलने में रुचि कम होने-की बात कही है।
- चालीस प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा मित्र, परिवार के सदस्यों और व्यावसायिक सहयोगियों के साथ झूठ बोलने की आदत को नकारात्मक प्रभाव के रूप में बताया गया।
- बताये गए प्रमुख नकारात्मक प्रभाव परिवार के सदस्यों के साथ एकदूसरे के साथ - समय न बिताने के कारण विवाद होना और आसपास होने पर भी परिवार के सदस्यों के बीच दूरी बनाए रखना था।

उपरोक्त चर्चा से यह स्पष्ट है कि मोबाइल फोन के सकारात्मक प्रभावों के साथसाथ इसके - नकारात्मक प्रभावों की सूची भी अधिक है।ये मोबाइल सेटनेटवर्क और बातचीत पर अधिक खर्च/, पारिवारिक और सामाजिक जीवन में अशांति के साथसाथ फोन के लगातार इस्तेमाल से काम - और पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव से संबंधित थे।उत्तरदाताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य में समस्या के लक्षण होने की भी सूचना दी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. दास ए बासु डी एंड गोस्वामी आर (2012) अक्सेसिंग एग्रीकल्चरल इनफार्मेशन थ्रू मोबाइल फोन लेसंस ऑफ आई के एस एल सर्विसेज इन वेस्ट बंगाल। इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन , 12(3), 102-107.

[2]. मेधी आई., जैन, एम., तिवारी, ए., भावसार, एम., फिस्चेर, एम. एम., कतरैल ई (2012) कोंबबैटिंगरूरल चाइल्ड मालनुट्रिशन थ्रू इनएक्सपेंसिव मोबाइल फोन। इन प्रोसीडिंग्स ऑफ डी 7 टथ नार्डिक कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन मेकिंग सेन्स थ्रू डिजाइन , 635-644.

[3]. कोकाटे डी एंड सिंह ए के (2013) यूज ऑफ मोबाइल टेक्नोलॉजीस फॉर एम्पोवेरिंग स्माल होल्डर फार्मर्स इन इंडिया। एफिलिएशन: डिवीजन ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, इंडियन कॉउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन . 1-9.